अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

PART→ 4

(140) जो धरती फोड़कर निकलता हो (जन्मता)	उद्भिज
(141) अच्छे कुल में जन्म लेने वाला	कुलीन
(142) वैसे से मनुष्य की जीवन जीने की इच्छा बलवती होती है	जिजीविषा
(143) तर्क के द्वारा जो माना गया हो	तर्कसंगत
(144) जो देने योग्य हैं	देय
(145) जो देने योग्य न हो	अदेय
(146) रात में विचरण करने वाले प्राणी को	निशाचर
(147) बिना पलक झपकाए	निर्निमेष
(148) गिरा हुआ	पतित
(149) पृथ्वी में मिल चुका हैं	पार्थिव
(150) पाप करने के बाद स्वंय दण्ड पाना	प्रायश्चित
(151) 'प्रत्युत्पन्नमति' शब्द का वाक्यांश होगा	जो तत्काल सोचकर उत्तर दे सके
(152) 'प्राणदा' के लिए अनेक शब्द हैं	जीवन देने वाली दवा
(153) प्रज्ञाचक्षु के लिए वाक्यांश	बुद्धि जिसका नेत्र हो
(154) खाने की इच्छा हैं के लिए	बुभुक्षा
(155) भूमि के अंदर की जानकारी रखने वाले को	भूगर्भवेत्ता
(156) मोक्ष की कामना करने वाला (बंधन से मुक्त)	मुमुक्ष

(157) जो हर समय अपना मतलब साधता हो — मतलबी/स्वार्थी
(158) दूसरों की बातों में दखल देना — हस्तक्षेप
(159) अनेक युगों से चले आने वाले — सनातन
(160) सौ वर्षों का समूह — शताब्दी
(161) 15 दिन का समूह — पाक्षिक
(162) 7 दिन का समूह — सप्ताह
(163) शैव कहते हैं — जो शिव की आराधना करता है।
(164) 'दोपहर के बाद का समय' के लिए — अपराह्न
(165) 'अनुगृहीत' शब्द के लिए — जो अनुग्रह से युक्त हो
(166) 'जिसे बुढ़ापा न आये' वाक्यांश के लिए — अजर
(167) जो शीघ्र प्रसन्न हो जाए, उसे कहेंगे — आशुतोष (शिव)
(168) 'जिसे ईश्वर में विश्वास है' के लिए — आस्तिक
(169) जिसे ईश्वर में विश्वास न हो — नास्तिक
(170) ऐसा कवि जो तत्काल रचना करता हो — आशुकवि
(171) चन्द्रमा तथा ब्राह्मण के लिए एक शब्द — द्विज (जिसका जन्म दो बार होता है)
(172) वन में लगने वाली आग के लिए — दावाग्नि/दावानल
(173) पेट की अग्नि — जठराग्नि
(174) आगे-आगी जन्म लेने वाला — नवजात
(175) जल की आग — बड़वाग्नि
(176) प्रेम की अग्नि — विरहाग्नि
(177) नगर में रहने वाला — नागर
(178) जिसका कोई आकार न हो — निराकार
(179) पीने की इच्छा को कहते हैं — पिपासा
(180) जो युद्ध में स्थिर है, उसे कहते हैं — युधिष्ठिर

(181) जो बहुत बोलता हो — वाचाल
(182) जो ग्राम में रहता हो — ग्रामीण
(183) वीर पुत्र को जन्म देने वाली स्त्री — वीरप्रसू
(184) वह नायिका जो अपने पति के परदेश में होने के कारण दुःखी हो, वह है - — वियोगिनी/विरहिणी
(185) जो दोहराया न गया हो — अनावर्त
(186) जो दोहराया गया हो — आवृत
(187) 6 माह का समय — छमाही
(188) किसी शुभकार्य को विधिविधान और श्रद्धापूर्वक करना — अनुष्ठान
(189) जिसे बुलाया न गया हो — अनाहूत
(190) जिसे बुलाया गया हो — आहूत
(191) रंगमंच के पर्दे के पीछे का स्थान — नेपथ्य
(192) हवन में जलाने वाली लकड़ी — समिधा
(193) जो हमेशा रहने वाला है — शाश्वत
(194) हमेशा नहीं रहने वाला — क्षणिक
(195) जिस पुरुष की पत्नी साथ नहीं है। — विपत्नीक
(196) तैरने की इच्छा — तितीर्षा
(197) हाथी की पीठ पर रखे जाने वाले — हौदा
(198) घोड़े के ऊपर बैठने के लिए लगाया जाने वाला आसन — जीन
(199) अपना उद्देश्य पूर्ण होने पर संतुष्ट — कृतार्थ
(200) बच्चों को सुलाने के लिए गाया जाने वाला गीत — लोरी
(201) जो नभ में चलता है — खेचर
(202) बढ़ा-चढ़ा कर कहना — अतिशयोक्ति
(203) जो क्षीण न हो सके — अक्षय
(204) जिसके सिर पर चन्द्र हो — चन्द्रशेखर

(205)	क्षीण+किया जा सकता है।	क्षार
(206)	झगड़ा लगाने वाला मनुष्य को कहते हैं	नारद
(207)	जो कठिनाई से मिलता हो	दुष्प्राप्य, दुर्लभ
(208)	बहुत सी भाषाओं को जानने वाला	बहुभाषाविद्
(209)	मादिरा पीने का प्याला	चषक
(210)	जो आराम से मिलता है	सुलभ